

2022
SANSKRIT
[HONOURS]
Paper : VII

Full Marks : 100

Time : 4 Hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*1. Answer any **five** of the following: 1×5=5

নিম্নলিখিত যে-কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) What does it mean by the word 'जगत्' in the very first mantra of the 'ईशोपनिषद्'?
- ঈশোপনিষদের প্রথম মন্ত্রের 'জগৎ' শব্দটির অর্থ কি?
- b) Who was the father of the seer of the 'अग्निमुक्त' (your prescribed text)?
- তোমাদের পাঠ্য অগ্নিসূক্তের ঋষির পিতা কে?
- c) What do you mean by the term 'Daśatayī'?
- 'দশতয়ী' শব্দে তুমি কি বোঝ?
- d) What is the source of 'मनुमत्स्यकथा'?
- মনুমৎস্যকথার উৎস কি?

[Turn over]

- e) Mention the source of the भूमिसूक्त.
ভূমিসূক্তের উৎস উল্লেখ কর।
- f) To which veda does the 'Īśopaniṣad' belong?
ঈশোপনিষদ্ কোন্ বেদের অন্তর্গত?
- g) According to the first Agnisūkta of the R̥gveda give two adjectives of 'Agni'.
ঋগ্বেদের প্রথম অগ্নিসূক্তের অনুসরণে অগ্নির দুইটি বিশেষণ লেখ।

2. Answer any **ten** of the following questions:2×10=20

নিম্নলিখিত যে-কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) “तांस्ते प्रेत्याभिगच्छन्ति ये के आत्महनो जनाः”—
Who were referred here as 'आत्महनो जनाः'?
'आत्महनो जनाः' বলতে এখানে কাদের বোঝানো হয়েছে?
- b) Give the equivalent classical Sanskrit forms of the underlined Vedic words (any **two**):
নিম্নরেখাঙ্কিত বৈদিক শব্দগুলির ধ্রুপদী সংস্কৃত প্রতিশব্দ লেখ (যে কোনও দুটি)
- i) स जनासः इन्द्रः।
- ii) येनेमा विश्वा च्यवना कृतानि।
- iii) ब्रह्माद्विषे शरवे हन्तवा उ।
- iv) तस्मै कृणोमि न धना रूणाग्नि।

c) From your text give one example of the Vedic Grammar Rule 'व्यवहिताश्च'.

তোমাদের পাঠ্য থেকে বৈদিক ব্যাকরণের 'ব্যবহিতাশ্চ' সূত্রের একটি উদাহরণ দাও।

d) What is the nature of the 'रयि' given by 'अग्नि'?
অগ্নিপ্রদত্ত রয়ির স্বরূপ কি?

e) 'अन्येषामस्तमुपनक्तमेति'—Who went to other home and what for?

'अन्येषामस्तमुपनक्तमेति'—কে, কি উদ্দেশ্যে অন্যের গৃহে যায়?

f) Which deity is called 'रत्नधातम' and why?
কোন দেবতাকে কেন রত্নধাতম বলা হয়েছে?

g) "स होवाच याज्ञवल्क्यः प्रिया वै खलु भवती सती प्रियमवृधत्"—Who was the beloved of याज्ञवल्क्य? What favourite subject did she determine?

"स होवाच याज्ञवल्क्यः प्रिया वै खलु भवती सती प्रियमवृधत्"—কে যাঞ্জবল্ক্যের প্রিয়া ছিলেন? তিনি কোন্ প্রিয় বিষয় নির্ধারণ করেছিলেন?

h) Write short note on any **one** of the following sacrificial words:

নিম্নলিখিত যজ্ঞীয় পরিভাষাগুলির মধ্যে যে-কোন একটির উপর টীকা লেখ :

स्विष्टकृत् याग, मैत्रावरुण, अभिप्लवषडह

i) Fill in the blanks: (Any **two**)

শূন্যস্থান পূরণ কর (যে-কোনো দুইটি)

i) स इद् देवेषु _____ ।

ii) _____ जातः पतिरेक आसीत् ।

iii) अहं _____ धनुरातनोमि ।

iv) यः प्राणतो निमिषतो _____ ।

j) "मित्रं कृणुध्वं खलु मृतता नो"—Who prayed this to whom? Why did he pray for their friendship?

"मित्रं कृणुध्वं खलु मृतता नो"—কে, কাদের কাছে এই প্রার্থনা করেছিলেন? কেন তিনি তাঁদের বন্ধুত্ব প্রার্থনা করেছিলেন?

k) Who is mentioned as 'चिकितुषी'? What is the meaning of this particular word?

'चिकितुषी' বলতে কাকে বোঝানো হয়েছে? এই বিশেষ শব্দটির অর্থ কী?

l) What do you mean by the word 'विनियोगः'? How many varieties of विनियोगः are seen in the Vedic sacrifice? Name them.

বিনিয়োগ বলতে কি বোঝ? বৈদিক যজ্ঞে কত প্রকার বিনিয়োগ দেখা যায়? তাদের নাম লেখ।

m) "अविनाशी वा अरेऽयमात्माऽनुच्छित्तिधर्मा"—Who said this and to whom? What is the real meaning of it?

"अविनाशी वा अरेऽयमात्माऽनुच्छित्तिधर्मा"—কে কাকে একথা বলেছেন? এর প্রকৃত অর্থ কী?

3. Answer any **five** questions: 6×5=30

যে-কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Translate into Bengali or English (any **one**):

বাংলা বা ইংরাজিতে অনুবাদ কর (যে কোনও একটি) :

- i) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजोविषेच्छतं समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिखते नरे॥
- ii) स यथा सैन्धवधनोऽवनन्तरोऽवाह्यः कृत्स्नी रसघन
एवैवं वा अरेश्यमात्माऽनन्तरोऽवाह्यः कृत्स्नः
प्रज्ञानघन एवैतेभ्यो भूतेभ्यः समुत्थाय
तान्येवानुविनश्यति।

b) Explain in Sanskrit (any **one**):

সংস্কৃতে ব্যাখ্যা কর (যে কোনও একটি) :

- i) अन्धं तमः प्रविशन्ति येऽविद्यामुपासते।
ततो भूय इव ते तमो य उ विद्यायां रताः॥
- ii) अविनाशी वा अरेश्यमात्मानुच्छिन्तिधर्मा॥

c) Write a note on the use of 'अवग्रह' in 'पदपाठ'.

পদপাঠে অবগ্রহের ব্যবহার বিষয়ে টীকা লেখ।

d) Describe the Earth after 'ভূমিসূক্ত'.

ভূমিসূক্ত অনুসারে পৃথিবীর বর্ণনা দাও।

e) Translate into Bengali or English (any **one**):

বাংলায় বা ইংরেজিতে অনুবাদ কর (যে-কোনো একটি) :

- i) यो ज्ञात एव प्रथमो मनस्वा
देवी देवान् क्रतुना पर्यभूषत् ।
यस्य शुष्माद्रोदेसी अभ्यसेतां
नृम्णस्य मृह्ना स जनासु इन्द्रः ॥
- ii) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे
भूतस्य ज्ञातः पतिरेक आसीत् ।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां
कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

f) Explain in Sanskrit (any **one**):

সংস্কৃতে ব্যাখ্যা কর (যে কোনও একটি) :

- i) स नः पितेव सूनवे
अग्ने सूपायनी भव।
सचस्वा नः स्वस्तये॥
- ii) यस्येमे हिमवन्तो महित्वा
यस्य समुद्रं रसया सहाहुः।
यस्येमा प्रदिथो यस्य वाहू
कस्मै देवाय हविषा विधेम।

g) Bringout the historical significance of 'मनुमत्स्यकथा'.

मनुमत्स्यकथां ऐतिहासिक तात्पर्यं विवृतं कर।

h) Write a note on the use of 'इति' in 'पदपाठ'।

पदपाठे 'इति'र व्यवहारं निरूप्य एकं टीका लेख।

4. Answer any **three** questions: $15 \times 3 = 45$

ये-कोनो तिनटि प्रश्नेर उत्तर दाओ :

a) Describe 'आत्मन्' according to 'ईशोपनिषद्'.

ईशोपनिषद् अनुसारं 'आत्मन्'-एर स्वरूपं वर्णना कर।

b) Bring out the characteristic features of the Vedic God 'अग्नि'.

वैदिक अग्निदेवतार स्वरूप-वैशिष्ट्यं आलोचना कर।

c) What is 'स्वरित स्वर'? Describe different types of 'स्वरित स्वर' with apt illustrations.

स्वरित स्वर किं? विभिन्न प्रकारं स्वरित स्वर उदाहरणसह व्याख्या कर।

d) Narrate the life of the Gambler as depicted in the Akṣa-Sūkta.

अक्षसूक्ते चित्रित कितबेर जीवनेर वर्णना दाओ।

e) Bring out the characteristic features of the Vedic God 'Indra'.

वैदिक इन्द्रदेवतार स्वरूपं वैशिष्ट्यं आलोचना कर।